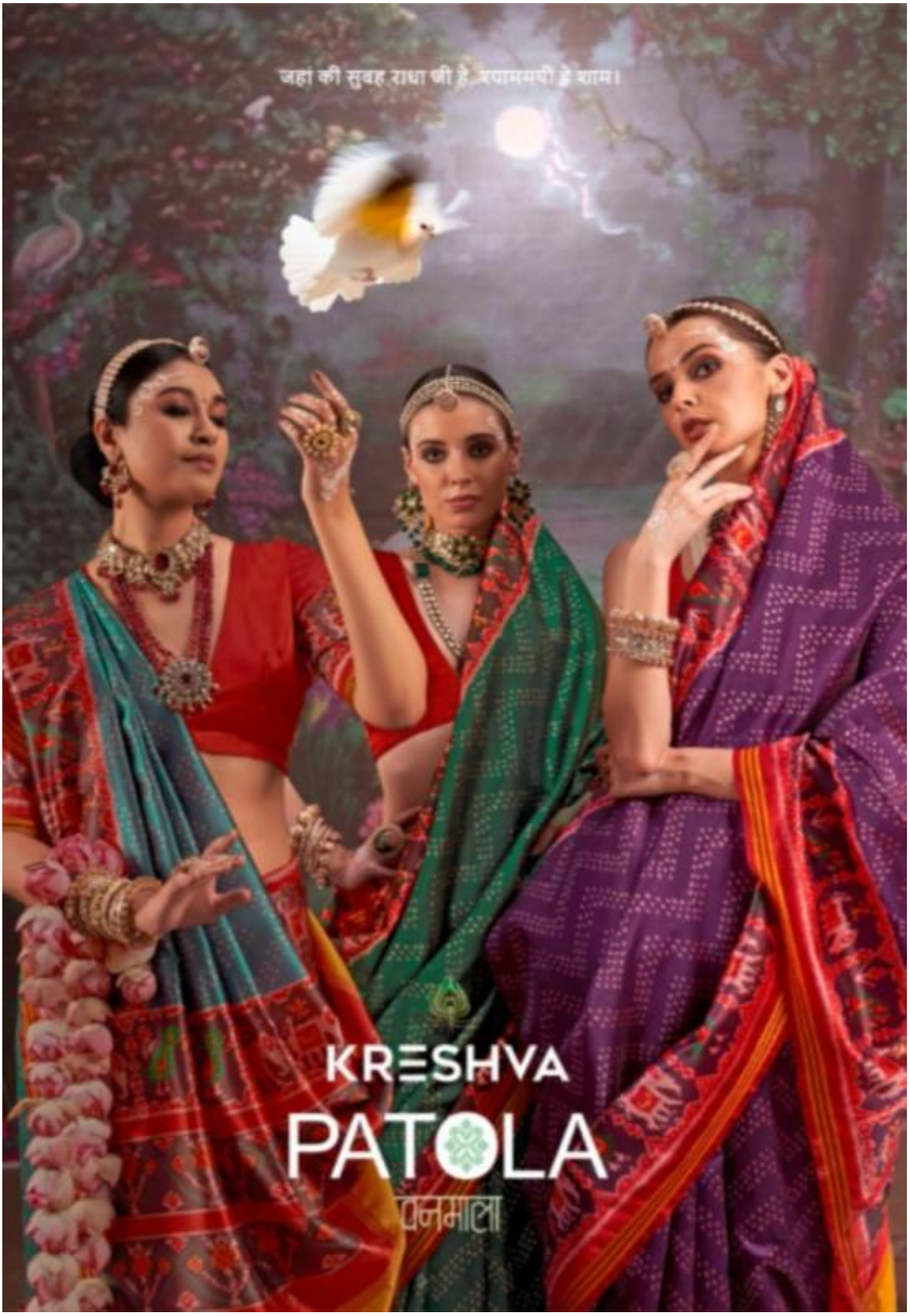
जहां की सुबह राधा जी है, शाम श्यामसुंदर है शाम।
KRESHVA
PATOLA
वनमाला

PATOLA
वनमाला
By
KRESHVA
जहां की सुबह राधा जी है, श्याममयी है शाम।

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-029

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-030

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-031

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-032

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-033

KRESHVA
PATOLA
वनमाला
P-034

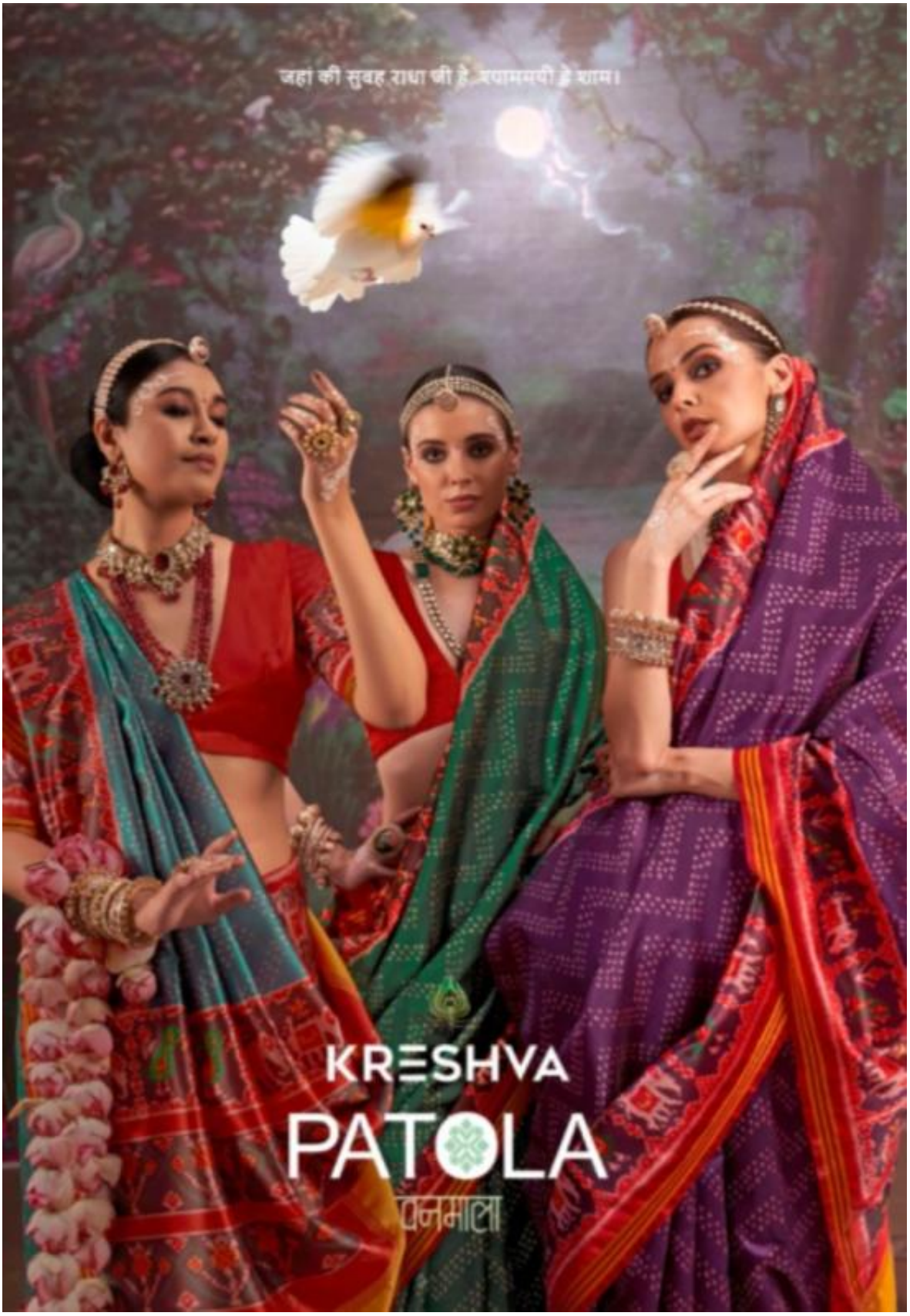
जहां की सुबह राधा जी है, शाम श्यामसुंदर है शाम।
KRESHVA
PATOLA
वनमाला

KRESHVA
वनमाला
राधे श्याम के प्रेम की खुशबू, आये आठों याम ।
P-029

KRESHVA
वनमाला
राधे श्याम के प्रेम की खुशबू, आये जाओ याम।

P-030

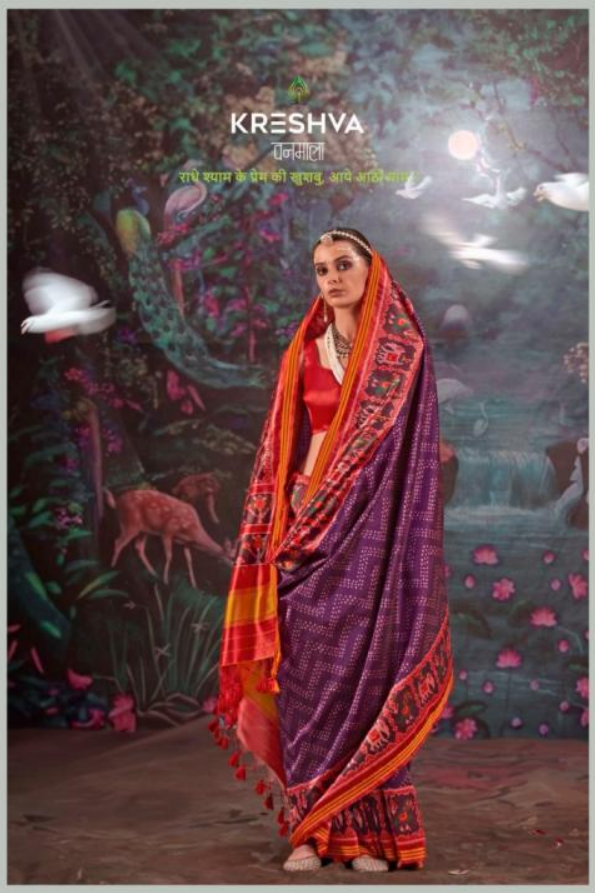
KRESHVA
वनमाली
राधे श्याम के प्रेम की खुशबू, आये आठों याम

P-031

KRESHVA
पैठणपाटा
जहां के हर घर गली-गली में बसे श्यामा श्याम।
P-032

P-033

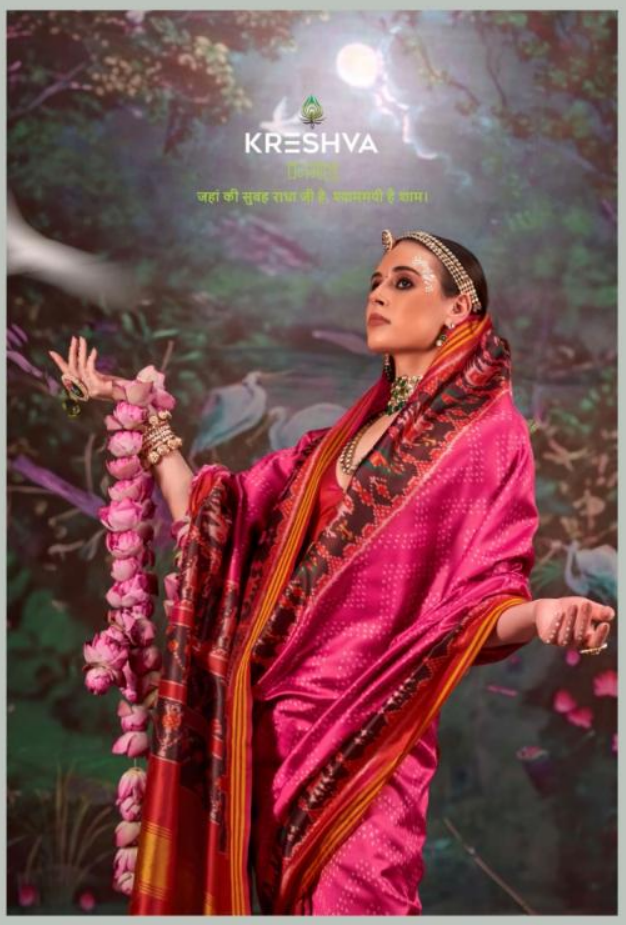
KRESHVA
जहां की सुबह राधा जी है, शाममयी है शाम।

KRESHVA
वनमाला
राधे श्याम के प्रेम की खुशबू, आपे आओ आप
P-034

P-029

P-030

P-033

P-034

P-031

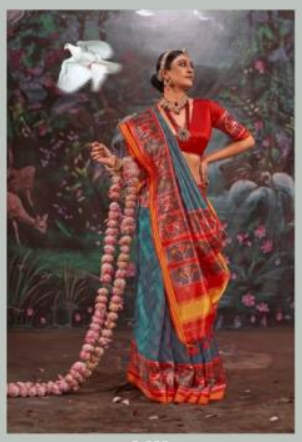

P-032

PATOLA

वनमाली

By

KRESHVA

जहा भी सुनह राधा जी है, श्यामसुंदर है साथ।